

कटे घड़ायो गजरो ओ कटे घड़ायो बाजू भजन लिरिक्स



कटे घड़ायो गजरो,
ओ कटे घड़ायो बाजू,
कटे घड़ायी रे ओ थारी मुंदडली।bd।

गोकुल घड़ायो गजरो,
ओ मथुरा घड़ायो बाजू,
आ हेजे घड़ाई ओ हरि थारी मुंदडली।bd।

कतरा लाख रो गजरो,
ओ कतरा लाख रो बाजू,
कतरा लाख री रे हरि थारी मुंदडली।bd।

12 लाख रो गजरो,
13 लाख रो बाजू,
सवा करोड री रे रोम थारी मुंदडली।bd।

कटे पेरू रे गजरो,
ओ कटे पेरू बाजू,
कटे पेरू रे हरि थारी मुंदडली।bd।

हाथ मे पेरू गजरो,
ओ बोयो मे पेरू बाजू,
सटुडी रमावु रे हरि थारी मुंदडली।bd।

किकण बाजे गजरो,
ओ किकण बाजे बाजू,
किकण बाजे रे हरि थारी मुंदडली।bd।



रमझम बाजे गजरो,
ओ छम छम वाजे बाजू,
पियु पियु बोले रे हरि थारी मुदडली।bd।

कणीने लादो गजरो,
ओ कणीने लादो बाजू,
कणीने लादी रे रोम धारी मुदडली।bd।

राधाजी ने लादी गजरो,
रुकमणजी ने लादी बाजू,
मीरा बाई लादी रे हरि थारी मुदडली।bd।

अमर वेजो गजरो,
अमर वेजो बाजू,
बाहरे फेलोनी रे हरि थारी मुदडली।bd।

कटे घड़ायो गजरो,
ओ कटे घड़ायो बाजू,
कटे घड़ायी रे ओ थारी मुदडली।bd।

प्रेषक – प्रवीण जोशी भीनमाल
9929453096
